Dainik Bhaskar (Indore), 1st December 2019, *City Bhaskar*, Page-3

फ्रांस के साथ मिलकर स्पेस इंजीनियरिंग का डिग्री प्रोग्राम शुरू करेगा आईआईटी इंदौर

इंडो-फ्रेंच एरोनॉटिक्स एंड स्पेस कंसोर्टियम के जरिए दोनों देश स्पेस इंजीनिरिंग पर करेंगे काम

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

आईआईटी इंदौर जल्द ही फ्रांस के साथ मिलकर स्पेस इंजीनियरिंग का डिग्री प्रोग्राम शुरू करेगा। दोनों ही देशों के बीच एरोनॉटिक्स और स्पेस एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए इंडो-फ्रेंच एरोनॉटिक्स एंड स्पेस कंसोर्टियम बनाया जाएगा। इसके अलावा भी दोनों देश हायर एजुकेशन के क्षेत्र में मिलकर कई काम करेंगे। भारत और फ्रांस के बीच एकेडमिक और साइंटिफिक को-ऑपरेशन बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले दिनों फ्रांस के ल्यों शहर में नॉलेज समिट में ये बातें तय की गईं। आईआईटी के दल ने अलग-अलग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स की विजिट के दौरान एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस, एग्रीकल्चर एंड फूड प्रोसेसिंग, ईको-एनर्जी एंड रिन्यूएबल एनर्जी, स्मार्ट सिटीज, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बिग डाटा एंड मैथेमेटिक्स सहित एम्पलॉयबिलिटी और आंत्रप्रेन्योरशिप बढ़ाने जैसे विषयों को कवर किया गया। आईआईटी और एनपीआईटी के बीच एमओयू भी साइन किया गया।

राउंड टेबल सेशन के तहत आईआईटी इंदौर ने स्पेस इंजीनियरिंग के इंटर डिसिप्लीनरी प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी साझा की। भारत के बढ़ते स्पेस प्रोग्राम को देखते हुए यह जरूरी है कि भविष्य के साइंटिस्ट और इंजीनियर्स इस क्षेत्र में सक्रिय बने रहें। आईआईटी इंदौर ने फ्रांस के साथ मिलकर जॉइंट डिग्री प्रोग्राम के जरिए इस कोर्स को इंटरनेशनलाइज करने की बात पर भी जोर दिया ताकि दोनों ही देशों के स्टूडेंट्स विजिट के दौरान इसका लाभ ले सकें। इस प्रोग्राम में इंडस्ट्री के एक्टिव पार्टिसिपेशन की बात भी आईआईटी ने रखी। सेशन के आखरी में तय किया गया कि एक इंडो-फ्रेंच एरोनॉटिक्स एंड स्पेस कंसोर्टियम बनाया जाएगा जिसमें जॉइंट प्रोग्राम के साथ भारत और फ्रांस में इंटर्नशिप सहित इस क्षेत्र की हायर एजुकेशन पर काम किया जाएगा।

इन बिंदुओं पर भी आईआईटी करेगा काम

- फैकल्टी मेम्बर्स को फ्रांस की एकेडमिक इंस्टिट्यूशन्स और इंडस्ट्री के साथ नए एमओयू साइन करने के लिए प्रेरित करेगा। पुराने एमओयू के तहत भी गतिविधियां बढ़ाई जाएंगी।
- इंडियन और फ्रेंच यूनिवर्सिटीज के बीच टाईज बढ़ाने के साथ दूसरी यूनिवर्सिटी को भी शामिल किया जाएगा।
- सीईपीआईएफआरए के तहत आने वाले रमन-चारपक सहित अन्य स्कॉलरशिप को प्रचारित किया जाएगा ताकि पीएचडी स्टूडेंट्स का एक्सचेंज बढ़ाया जा सके।